

बेंगलुरु और पंजाब अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने उतरेगी

अहमदाबाद, 2 जून। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसिबी) और पंजाब क्रिक्स (पीबीकेएस) मंगलवार को अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में नरेंद्र मोदी स्टेडियम की दृधिया रोशनी में इतिहास रचने की उतरेगी। आरसीबी नौ साल बाद फाइनल में वापस आई है अभी भी अपने पहले खिताब की तलाश है। जबकि पंजाब क्रिक्स 2014 में अपने पहले प्रदर्शन के 11 साल बाद दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है।

रजत पाटीदार को आरसीबी इस सीजन में पंजाब को दो बार हरा चुकी है, जिसमें क्वालीफायर वन में आठ विकेट से मिली शानदार जीत भी शामिल है। इस मैच में जोश हेजलवुड (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों ने पंजाब क्रिक्स को 101 रनों पर ढेर कर दिया। उसके बाद मात्र 10 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर एकतरफा अंदाज में मुकाबला जीत लिया था। आरसीबी की घड़कन विराट कोहली इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं।

15 पारियों में 146.53 के स्ट्राइक रेट से 614 रन बनाने वाले कोहली को एक बार फिर आरसीबी की बल्लेबाजी की कमान संभालने के लिए चुना गया है। पिछले मैच में 27 गेंदों पर 56 रन बनाने वाले फिलिप साल्ट ने धमाकेदार शुरुआत दी है। जबकि पाटीदार खुद मध्यक्रम



में स्थिर उपस्थिति बनाए हुए है। इसी के साथ मयंक अग्रवाल, कुणाल पांड्या और जितेश शर्मा ने बहुमूल्य योगदान रहा है। रोमारियो शेफर्ड और टिम डेविड ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। जोश हेजलवुड की वापसी ने आरसीबी गेंदबाजी इकाई को मजबूत किया है, जिसमें अनुभवी भुवनेश्वर कुमार और स्पिन जोड़ी सुयश शर्मा और यश दयाल का अच्छा सहयोग रहा है।

पंजाब क्रिक्स ने क्वालीफायर वन में मिली बड़ी हार से उबरते हुए दूसरे क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से हराकर अपना आक्रामक प्रदर्शन दिखाया है। इस मैच में कप्तान श्रेयस अय्यर ने 41 गेंदों पर नाबाद 87 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया। पंजाब का शीर्ष क्रम पूरे

सीजन में शानदार फॉर्म में रहा है। प्रभसिमरन सिंह (523 रन) और प्रियांश आर्य (451 रन) ने लगातार तेज शुरुआत दी है। जोश इंगलिस ने तीसरे नंबर पर आकर रनों की गति दी है, जबकि अय्यर मध्यक्रम में 175 के शानदार स्ट्राइक रेट से 597 रन बनाकर अहम भूमिका निभा रहे हैं। नेहल वेंडरा, मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पंजाब के शानदार बल्लेबाजी स्वरूप को दिखाती है। वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो मार्कस जेनसन के बाहर होने के बाद, काइल जैमीसन ने अर्शदीप सिंह (18 विकेट) के साथ मिलकर तेज गेंदबाजी विभाग में कदम रखा है। युजवेंद्र चहल की वापसी ने उनके स्पिन आक्रमण को मजबूत हुआ है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच इस सीजन में बड़े स्कोर वाली रही। यहां पहली पारी का औसत 177 रहा है और पिछले तीन मैचों में 200 रन का आंकड़ा पार हुआ है। आईपीएल 2025 के दौरान इस मैदान पर खेले गए आठ मैचों में से छह पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने जीते हैं। यहां टॉस की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। पिच की बात की जाये तो इससे शुरुआत में बल्लेबाजों के लिए मददगार होने की उम्मीद है, जबकि शाम को धीमे गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। दोनों पक्षों के पास खिताब के सुखे को खत्म करने का मौका है।

8वीं हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता कैन्डलविक, एमी व जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी जीती



जयपुर, 2 जून। आठवीं हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत कुशाग्र ओझा, 67 रन नाबाद (49 गेंद, 5 चौके व 5 छक्के) की मदद से कैन्डलविक क्रिकेट अकेडमी ने आर.डी. क्रिकेट अकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किया। दूसरे मैच में अयान खान, 23/4 विकेट, आयुष आमेरिया 64 रन नाबाद तथा नावेद खान 51 रन नाबाद की मदद से एमी क्रिकेट अकेडमी ने शिवा अकेडमी को 10 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। तीसरे मैच में जयपुरिया क्रिकेट अकेडमी के रोहन राजपर 55 रन, अमन शेखावत के 51 रन के अर्द्ध शतकों की मदद से रेलवे क्रिकेट अकेडमी को 42 रनों से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

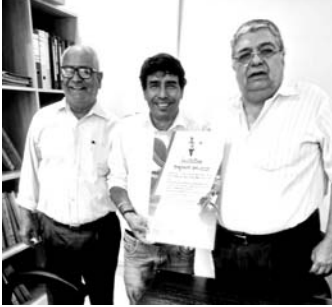
हिन्दुस्तानी कप मैच रेलवे ग्राउंड पर 17 अगस्त से

जयपुर, 2 जून। जयपुर के रेलवे ग्राउण्ड पर रेलवे हिन्दुस्तानी कप क्रिकेट मुकाबला 17 अगस्त को खेला जाएगा। इस मैच के आयोजक और रेलवे टीम के कोच शम्बीर हुसैन ने बताया कि मैच की तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। ये मुकाबला प्रदेश के पूर्व और वर्तमान क्रिकेटर्स के एक साथ मिलने का बड़ा अवसर होगा।

एक बार फिर से प्रदेश के पूर्व और वर्तमान क्रिकेट सिनारे साथ नजर आएंगे। शम्बीर ने बताया कि भारतीय बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष किशोर रून्दा और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व डिप्टी प्रेसिडेंट डॉ. बिमल सोनी ने हिन्दुस्तानी कप का अनावरण किया। शम्बीर ने कहा कि 17 अगस्त को होने वाले मैच में प्रदेश के पूर्व और वर्तमान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को आमंत्रित किया जाएगा। शम्बीर हुसैन रेलवे ग्राउण्ड पर पूर्व में गुरु पूर्णिमा कप, रफाकत कप, सद्भावना कप



और एकता कप जैसे आयोजन कर चुके हैं। टूर्नामेंट के मैच रंगीन पोशाक व सफेद बॉल से खेला जायेगा। टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह, बेस्ट बेट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट विकेट कीपर व मैन ऑफ दी सीरीज का अवार्ड दिया जायेगा। इस मैच को और सम्पन्न बनाने में पूर्व विज्जी टॉफी खिलाड़ी सुनन्द पाल सिंह एवं पूर्व सीनियर खिलाड़ी अखिलेश चतुर्वेदी व यश गौड मेहनत कर



रहे हैं। विनोद माथुर, पूर्व रणजी खिलाड़ी बिमल रॉय सोनी व उदयपुर से आ रहे स्पोर्ट्स काउंसिल के पूर्व स्पोर्ट्स ऑफिसर एवं सीनियर कोच शाकिर हुसैन भी हिस्सा लेंगे। साथ में ही सीनियर खिलाड़ी जहीर खान भी अपने खेल के हुनर दिखाएंगे। उदयपुर से निखिल डो आ शेर सिंह, किशन चौधरी भीलवाड़ा से शैलेंद्र गहलोत अजमेर से खान भी खेलेंगे।

वरिष्ठ खेल प्रशासक हनुमान सिंह की 20वीं पुण्य तिथि पर विशेष : हनुमान सिंह ने हैंडबॉल के साथ जयपुर फुटबाल को भी नया जीवन दिया था

जयपुर, 2 जून। दो दशक हो गए हनुमान सिंह को गुजरे लेकिन राजस्थान के खेल जगत में उनकी यादें आज भी खेलेप्रेमियों के दिलों में बसी हुई हैं। मंगलवार को उनकी 20वीं पुण्यतिथि के मौके पर राजस्थान हैंडबाल संघ और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों द्वारा उन्हें श्रद्धा के साथ याद किया जाएगा। राजस्थान खेलों का एक ऐसा प्रशासक प्रदेश खेल जगत के बीच नहीं रहा, जिसने अपनी पूरी जिंदगी खिलाड़ियों के हित के लिए लड़ने में लगा दी थी। हनुमान सिंह राजस्थान हैंडबॉल व फुटबॉल संघ के अध्यक्ष थे। फुटबॉल में वे अपने पद से संतुष्ट नहीं थे, लेकिन हैंडबॉल जैसे अलोकप्रिय खेल को उन्होंने सुबे में लोकप्रिय खेलों के सूची में ला दिया था। आज से 20 वर्ष पहले गुरुवार की रात 2.00 बजे दिल का दौरा पड़ने से इस दुनिया को अलविदा कह गए। हनुमान सिंह ही वो शख्स थे, जिन्होंने हैंडबाल को राजस्थान में पहचान दिलाई। सत्र के दशक में हैंडबाल भारत में आया और करीब चार दशक पूर्व हनुमान सिंह इस खेल से जुड़े। जयपुर जिला संघ के सचिव के रूप में खेल जगत में शुरुआत की लेकिन उनकी आयोजन क्षमता ने उन्हें धीरे-धीरे बुलंदियों पर पहुंचा दिया। 25 साल के उनके अध्यक्ष कार्यकाल में कभी ऐसा मौका नहीं आया, जब किसी ने उन पर उंगली भी उठाई हो। वे खिलाड़ियों के लिए कॉपीरेट खेल संघ बनाना

चाहते थे, जिसमें काफी अच्छा बजट हो और खिलाड़ियों को सुविधाएं मिलें। उन्होंने खिलाड़ियों को दौरे में अच्छी खुराक दी, अच्छी ड्रेस उपलब्ध कराई और जब कभी मेजबानी का उनको मौका मिला तो खिलाड़ियों को उन्होंने इतने इनाम दिए कि खिलाड़ियों को उन्हें समेटने के लिए ट्रक लाना पड़ता था। अगर कोई खिलाड़ी दुख में है तो यह विपदा हनुमान सिंह की थी, अगर कोई खिलाड़ी बीमार हो तो उसका इलाज और यहां तक कि दिवंगत हो गया हो तो उसके परिवार को लाखों की मदद। कुछ अरसे पहले हैंडबॉल के मशहूर खिलाड़ी अमृत नाहटा का निधन हो गया था। हनुमान सिंह ने अपने स्वयं के बल पर उनके लिए एक लाख रुपए से ज्यादा इकट्ठे किए और उनके पुत्र को नौकरी दिलाया। गुरुवार को उनके निधन से पूर्व उन्होंने कहा था कि मैं यह चैक मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से नाहटा की विधवा को दिलवाना चाहता हूं। 53 वर्षीय हनुमान सिंह न सिर्फ खिलाड़ियों की मदद करते थे, बल्कि सामाजिक कार्य में भी पीछे नहीं रहते थे। उन्होंने 75 हजार रुपए इकट्ठा करके जयपुर के कैन्सर हॉस्पिटल को दिए। वे ऐसे अनुशासन प्रिय थे कि उनकी टीम में जयपुर के संप्रति घरो की लड़कियां खुले रूप से जयपुर के बाहर खेलने जाती थीं और आज तक कोई शिकायत नहीं हुई। इनमें मशहूर खेल प्रेमी योगी दुर्लभजी की लाइली भी शामिल थीं। हनुमान



सिंह से खेल जगत के कई पदाधिकारी नाराज भी थे। उन्होंने ही प्रताप पुरस्कार व वशिष्ठ पुरस्कार के निर्णायक मंडल की बैठक में साफ तौर पर कहा था कि मैं खिलाड़ियों के स्तर के आधार पर अवार्ड दूंगा। यही वजह थी कि जब उन्हें लगा कि कोई भी कोच वशिष्ठ पुरस्कार के योग्य नहीं है तो उन्होंने साफ कहा कि किसी को भी नहीं दिया जाना चाहिए और इसका सभी ने समर्थन किया था। हनुमान सिंह भारतीय हैंडबॉल संघ के उपाध्यक्ष रह चुके थे और चीन समेत कई देशों में टीम के मैनेजर बनकर जा चुके थे। भारतीय खेल जगत में उनकी जीवटता की साख थी। वसुंधरा राजे की सरकार बनने के बाद यह माना जा रहा था कि वे खेल परिषद के अध्यक्ष मनोनीत किए जाएंगे, लेकिन शायद खेल जगत



बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष बन सकते हैं राजीव शुक्ला

नई दिल्ली, 2 जून। बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिबी का कार्यकाल इस साल जुलाई में समाप्त होने वाला है। विश्व कप विजेता ऑलराउंडर 70 वर्ष के हो जाएंगे। बीसीसीआई संविधान के अनुसार, 70 वर्ष की आयु तक पहुंचने के बाद कोई व्यक्ति पदाधिकारी नहीं रह जाता है। सूत्रों के अनुसार मौजूदा बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला सितंबर में होने वाली वार्षिक आम बैठक से पहले तीन महीने के लिए अंतिम अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल सकते हैं।

एजीएम के दौरान, सांसद और पूर्व आईपीएल अध्यक्ष शुक्ला बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में पूर्ण कार्यकाल के लिए खड़े हो सकते हैं। शुक्ला वर्तमान में क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। राजीव शुक्ला इस प्रतिष्ठित पद के लिए किसी नए

कर्मियों का निर्वाह करेंगे। बिबी को 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, क्योंकि उन्होंने सौरव गांगुली से पदभार संभाला था। दिग्गज तेज गेंदबाज ने 27 टेस्ट



व्यक्ति के निर्वाचित होने तक अध्यक्ष के कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। बिबी को 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, क्योंकि उन्होंने सौरव गांगुली से पदभार संभाला था। दिग्गज तेज गेंदबाज ने 27 टेस्ट

और 72 वनडे में देश का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें उन्होंने कुल 124 विकेट लिए हैं। उन्होंने भारत की ऐतिहासिक 1983 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें आठ पारियों में 18 विकेट लेकर टूर्नामेंट के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। इस बीच, राजीव शुक्ला ने 2020 से बीसीसीआई के उपाध्यक्ष का पद संभाला है। उन्होंने 2017 तक उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के सचिव और 2018 तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है। इस साल की शुरुआत में देवजीत सैकिया को बीसीसीआई सचिव नियुक्त किया गया था, उन्होंने जय शाह की जगह ली थी, जो आईसीसी के चेयरमैन बन गए थे। सैकिया निर्विरोध चुने गए थे।

स्टुअर्ट ब्रॉड होंगे द. अफ्रीका के सलाहकार कोच

केपटाउन, 2 जून। दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से पहले इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को टीम का सलाहकार कोच नियुक्त किया है। 38 वर्षीय ब्रॉड नौ जून को अभ्यास के दौरान सलाहकार के रूप में काम करेंगे। एशेज 2023 के आखिर में रिवायर होने के बाद ब्रॉड को कोचिंग में पहली भूमिका होगी। 11 जून को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया खिलाफ शुरू होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की तैयारी में मदद करेंगे। ब्रॉड नौ जून होने वाले अभ्यास सत्र में टीम के साथ जुड़ेंगे। ब्रॉड ने 167 टेस्ट मैचों में 604 विकेट लिए। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे अधिक 153 विकेट लिये हैं।

क्लासेन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया



केपटाउन, 02 जून। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। क्लासेन ने आज सोशल मीडिया मंच पर अपने संन्यास की घोषणा की। क्लासेन ने पिछले वर्ष टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। अब उन्होंने एकदिवसीय और टी-20 से भी संन्यास ले लिया है। उन्होंने वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के लिए क्रिकेट में पदार्पण किया था। क्लासेन ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर लिखा, यह मेरे लिए दुख दिन है क्योंकि मैं अंतरराष्ट्रीय कर दिखाने से दूर रहने कि घोषण कर रहा हूं।

पर्पल कैप अपने नाम कर सकते हैं जोश हेजलवुड

नई दिल्ली, 2 जून। आईपीएल 2025 का फाइनल मैच 3 जून को पंजाब क्रिक्स और आरसीबी के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के लिए प्रसिद्ध आईपीएल 2025 के क्वालिफायर दो बारिश के कारण मैच दो घंटे के बाद शुरू हुआ। इस सत्र में पंजाब क्रिक्स की दूसरी बार धीमी ओवर रेट की गलती हुई इसलिए उनके कप्तान श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। मुम्बई इंडियंस की ओर से इस तरह की तीसरी गलती होने के कारण हार्दिक पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।



हांगा जोश हेजलवुड की पर्पल कैप हासिल करने के लिए कुछ ऐसा करना होगा, जो आईपीएल 2025 में अब तक सिर्फ दो बार हुआ है। जोश हेजलवुड को पर्पल कैप हासिल करने के लिए आईपीएल 2025 के फाइनल में कम से कम पांच विकेट चटकाने होंगे।

अगर वे 4 विकेट भी चटकाते हैं और कम रन देते हैं तो भी वे पर्पल कैप की रस में अच्छे औसत की वजह से प्रसिद्ध कृष्णा से आगे निकल जाएंगे।

प्रसिद्ध कृष्णा ने 15 मैचों में आईपीएल 2025 में जीटी के लिए 25 विकेट निकाले थे। उनकी टीम का समग्र एलिमिनेटर में खत्म हो गया था। वहीं, दूसरे नंबर पर 24 विकेटों के साथ नूर अहमद, तीसरे नंबर पर 22 विकेटों के साथ ट्रेंट बोल्ट और चौथे नंबर पर 21 विकेटों के साथ जोश हेजलवुड हैं। जोश हेजलवुड अगर पंजाब क्रिक्स के खिलाफ पारी में कम से कम 4 विकेट 30 से कम रन देकर या फिर विक्त्तेन भी रन देकर 5 विकेट निकालते हैं तो वे प्रसिद्ध कृष्णा को पछाड़ देंगे, जिनका औसत 19.52 का है।

को भी खिला कर लोगों को अर्चभित कर दिया था। 2005 में उनके निधन के बाद से राजस्थान में हैंडबाल की कमान उनके बेटे यशप्रताप सिंह और तेजजरा सिंह संभाले हुए हैं। पिता के वनशे कदम यश प्रताप ने भी कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की जयपुर में शानदार मेजबानी की है। हनुमान सिंह हैंडबाल के साथ फुटबाल से भी जुड़े रहे। बदनर हालात में पहुंची जयपुर फुटबाल को नया जीवन देने के लिए वह जयपुर जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष बने और बाद में राजस्थान फुटबाल संघ के उपाध्यक्ष बने। उन्होंने जयपुर और जोधपुर की संयुक्त मेजबानी

में कई वर्षों पश्चात राष्ट्रीय जयपुर फुटबाल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। इसी का नतीजा था कि वह राजस्थान फुटबाल में भी अपनी छाप छोड़कर इसके अध्यक्ष भी रहे। हनुमान सिंह राजस्थान खेल जगत की एक ऐसी शख्सियत थे जिन्होंने स्वार्थ को छोड़ खेलों के हित में कोई भी कदम उठाने से कभी परहेज नहीं किया। अन्य खेल संघों ने उनके इस कदम को सरकार विरोधी बताने का प्रयास कर उन्हें पार्लियामें भी उठाई, मगर उन्होंने खेलों के व्यापक हित को कभी नजरंदाज नहीं किया।